गुरूजी थारा समचाणा दरबार स्वर्ग तं प्यारा लागे स

गुरूजी थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।bd।

गाम के धोर: भवन निराला,
गाम के धोर: भवन निराला,
प्रगट हो रे बजरंग बाला,
हो तेरे संग बैठे श्याम सरकार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स,
गुरूजीं थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।bd।

बणी समाधी गुरू मुरारी,
बणी समाधी गुरू मुरारी,
दुनिया जाव: तेरी दवारी,
हो जब बरसे तेरा प्यार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स,
गुरूजीं थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।bd।

भवन के सयामी माँ का मंदिर,
भवन के सयामी माँ का मंदिर
ज्योती जगती आठों अंदर,
अर: र वा तो बैठी शेर सवार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स,
गुरूजीं थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।bd।

दरबारां में दुनिया आव:,
दरबारां में दुनिया आव:,
राजी हो क दर तं जाव:,
अर: र तेरी हो री जय जय कार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स,
गुरूजीं थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

रोहित शर्मा तं सोप दी ताली,
रोहित शर्मा तं सोप दी ताली,
सचिन दहिया ने कलम चलाई,
अर: र यो विनोद स चाल,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स,
गुरूजीं थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।bd।

गुरूजी थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।bd।

प्रेषक – राकेश कुमार जी
खरक जाटान 9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com